(8)

BIHAR ₹500/- Rohtas 200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु. Rs 200

भारत

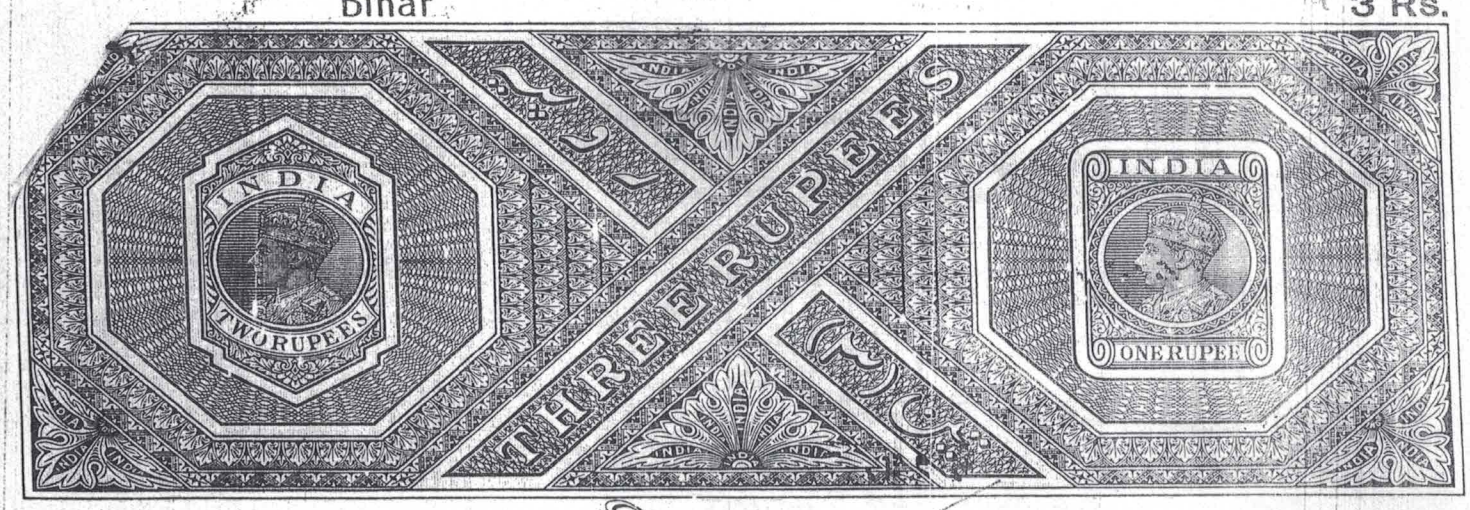
दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

Chargeable under Rule 21 duly stamped (~~exempted from~~ ~~Stamp~~ ~~Duty~~) under the Indian Stamp Act, 1899, as amended by Section 86 of the Finance Act, 1955, Schedule Part 1A, No. 43

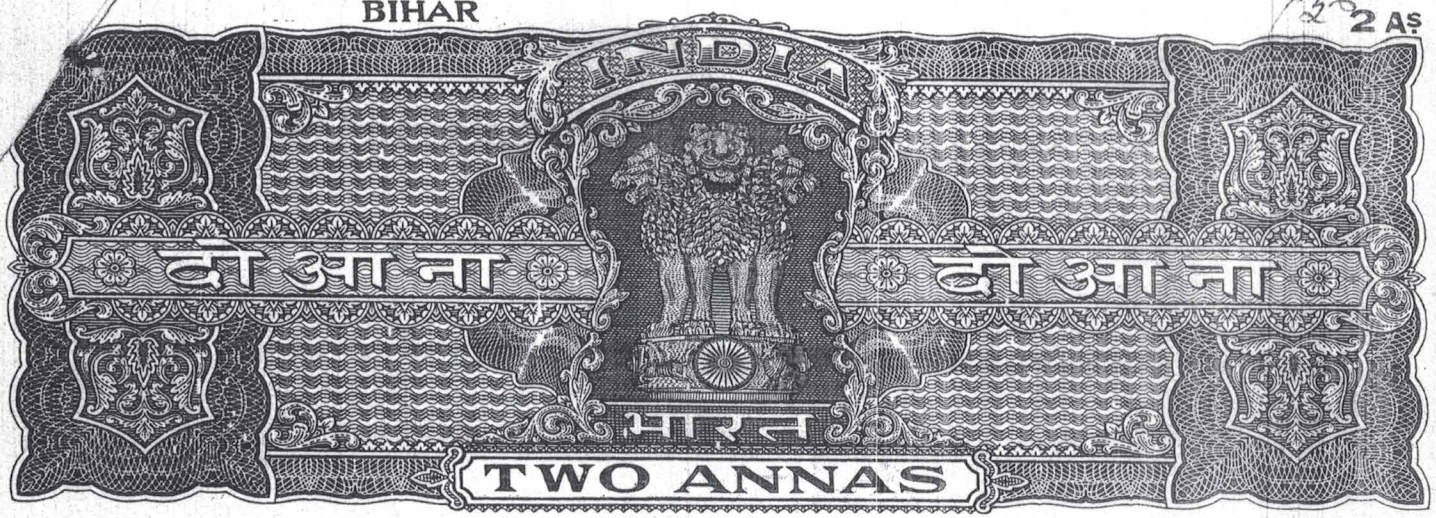
Stamp duty Rs. 10/- Add. Stamp duty Rs. 100/-

Registering Officer

Rs. 203/- (Rupees two hundred three only)



तीन रुपया


BIHAR
2 As
INDIA
दो आना
दो आना
भारत
TWO ANNAS

ખા. કારોબાર-ખાતાવહી ન્યૂ રોકડમેળ (૪) - મિત્ર રોકડમેળ ન્યૂ ખરીદ-વેચાણ

ખાતાવહી રોકડમેળ (૪) - મિત્ર - ખરીદ-વેચાણ-ખાતાવહી-કારોબાર-ખાતા

(૪૬) - ખાતાવહી-ખરીદ-વેચાણ-ખાતા-કારોબાર-ખાતાવહી-ખરીદ-વેચાણ

ગોવિંદ-ગોપાલ-ગોકુલ-ગોપાલ-ગોકુલ-ગોપાલ-ગોકુલ

1. नाम मोकिरानः-

1. सिद्येश्वर सिंह,

2. रामेश्वर सिंह,

3. दिनेश्वर सिंह,

4. भुनेश्वर सिंह, सभी के पेशरान बाबु बजवज सिंह बैकुंठवास

5. मोस्मात जोता कुअर, जौजे बाबु जुगेश्वर सिंह मोतवफा

6. मोस्मात प्यारी कुअर जौजे बाबु नागा सिंह मोतवफा एकवाम-राजपुत, साकिनान मौजे-यारपुर, प्रगना-अजीमाबाद, एलाके थाना-कोतवाली पटना पेशा दारान कास्तकारी वो जमींदारी।

2. नाम मोकिर अलैहः- श्रीमती सावित्री मिश्रा, जौजे श्री राम नारायण मिश्रा, हयुल कायम जात-ब्राहमण, साकिनान मौजे- मिसरौलिया, प्रगना-अजीमाबाद, एलाके थाना-विक्रमगंज, जिला-साहाबाद, पेशा जमींदारी वो कास्तकारी हाल मोकाम गर्दनीबाग, रोड नं0-13, क्वार्टर नं0-10, एलाके थाना कोतवाली पटना।

(3) किसीम वसीकाः-

केवाला वयला कलामी

(4) तायदाद जरसम्मनः-

मो0-5,000/- (पाँच हजार रूपया) मात्र

(5) तफसील सय मोवइयाः-

मवाजी 3 कट्ठा (तीन कट्ठा) एराजी मिनजुमले मवाजी 1 एकड़ 11 डिसमिल हकियत कास्त रैयती नकदी कायमी वाके मौजा-मीठापुर, प्रगना- अजीमाबाद, एलाके थाना-कोतवाली, पटना सब रजिस्ट्री शहर पटना, तौजी नं0- 498, थाना नं0-19, खाता नं0-66 मिनजुमले खसरा नं0-70, मालगुजारी सलाना मो0-1 रू0 मय शेष वजमींदारी बाबु रामचन्द्र सिंह वगैरह, साकिन-यारपुर, पोस्ट-जी.पी.ओ., पटना सय मोवइया अन्दर एरिया कॉरपोरेशन के वाके है मालासमन सरहे नहीं हुआ हैः-

उत्तरः- 8 फीट रास्ता बादहु फिरम बगीया

दक्षिणः- श्रीमती रनीका गंगोला एराजी 3 कट्ठा 10 धुरकी

पूरबः- अराजीयात कब्जा प्लॉट नं0-70

पश्चिमः- सड़क सरकारी

अजाजाके बाबु कुलदीप सिंह वगुजास्त वो पेशरान है कि बाबु खेलावन सिंह वो दुसरे बाबु वजवज सिंह पेदर मोकीर नं0-1 से 4 के वकजा है एलाही इन्तकाल कर गये वो बाबु प्रताप सिंह वेरादर हकिकि बाबु कुलदीप सिंह मजकुर वगुजास्त नागा सिंह सोहर मोकिरा नं0-6 वो बाबु

जोगेसर सिंह सोहर, मोकिर नं0-5 के वकजा है एलाही इन्तकाल कर गए है वो बाबु खेलावन सिंह चमाहका को मोकीर नं0-1 से 4 वगुजास्त बाबु वजवज सिंह बेरादर हकिकि पेदर मोकिर नं0-1 से 4 के लावल्द इन्तकाल कर गये तो बाबु वजवज सिंह पेदर मोकिरा नं0-1 से 4 वगुजास्त चहार पेसरान मोकीर नं0-1 से 4 के वकजा है एलाही इन्तकाल कर गये वो बाबु जुगेसर सिंह वगुजास्त मोस्मात जोरा कुअर मोकिरा नं0-5 जौजे के वकजा है एलाही इन्तकाल कर गये वो बाबु नागा सिंह वगुजास्त मोस्मात प्यारी कुअर मोकिरा नं0-6 जौजे के वकजा है एलाही इन्तकाल कर गये इसरूकर मोकिरा नं0-1 से 6 जायदाद सय मोवइया मुन्दर्जे खाना नं0-5 वसमूल और जायदाद हायक मसरूफ तसउर कर काबिज दाखिल चले आते है वाद नाम है वो नाम मनमोकीरान वसीरीस्ते जमींदारी मुन्दर्जे रजीस्टर के लगीत के हकीकत हुआ के एराजी मजकूर के दर्ज गला मकानात बनवाने के वजहकर पेसरान के लगे जिसे ताकिद हो गया है और जमीन कावील मकान के होने के वजह कर कीमत तरक्की कर गया है इस वजह कर ख्याल मनमोकिरान यह हुए के अराजी मजकुर के मवाजी को फरोख्त करके जरसम्मन को उसके दीगर जायदाद खरीद करने के मोतालवा किसी मनमोकिरान के लगीम राय फरोख्तगी अराजी मजकुर कुल सदर को एलान किया चुनान्चे मोकीर अलैह वसीके हाजा व कीमत

मो0-5,000/-रूपया खरीद करने पर अमादा वो मुतसरहे हुए और इसी कदर कीमत सय मोवइया हाजा का वाजीव वो अदल है और दूसरे कोई वेसी कीमत देने को और असखास अमादा वो मुस्तैद न हुये लेहाजा वसीका केवाला वयला कलामी बनाम वो वहक मोकीर अलैह तहरीर वो तामिल वजाना जरूर वो मतलब है लेहाजा मनमोकिरान वहालत सेहतजात वो सवात अक्ल व खुशरजा वो रगवत दीला अपने नफा वो नुकसान को समझ वो बुझकर वो मशवरा अजादाने लेकर अराजी मजकुर कुल सदर जिसकी पूरी सराहत व खाने नं0-5 वसीके हाजा मुन्दर्जे है जो अजान खास हकियत मामोकरान किये जिस पर मामोकिरान वेला सिरकत कुलगेरे वो वमदाखलत अहदे काबिज दखील चले आते है के जो हर खलीस वो वार केफालत वगैरह से महज पाक वो साफ है उसको दर बदल कीमत अदल मो0-5000/-रूपया जिसका निस्फ मो0- 2500/- रूपया होता है वदस्त मोकिर अलैह मुन्दर्जे खाने नं0-2 के वेला सरत फरोख्त वो खेयार के बेचा वो वयला कलामी किया वो कुल जरसम्मन इस तरह वसुल पाया के मो0-625/-रोकरा कवल तहरीर वसीके हाजा वतौर वय बयाना बजरीये रसीद मोजरखा तारीख-17.05.1957 ई0 खरीदारार मौसुफा से वसुल पा चूके है वो मो0-3000/-रूपया वकीये करार रूवरू साहेब रजिस्ट्रारार के वाके पाया वो वकीये मो0-137/- व वक्त तकाबजुल बदलैन के वसुल पाया इस कर मोसलम जरसम्मन खरीदारा मौसुफा से वसुल वो वेवाक हो गया व वसुल तमाम वो कमाल

जरसम्मन उपर सय मोवइया खरीदारा मौसुफा कोवजा अपने काबीज दखील मालिक मुस्तकिल गरदाना चाहिये के खरीदारा मौसुफा उस पर काबिज दाखिल होकर वो रह कर जिस सुरत से चाहे कबज वो तसरूफ में अपने दर लावे वो नाम अपना व एतराज नाम मनमोकिरान जहाँ जहाँ जरूरत हो मुन्दर्जे करा लेवे वो जो कुछ हक वो इस्तहकाक सय मोवइया हाजा में मामोकिरान को हासिल है वह सब कुल आज के तारीखे से खरीदारा मौसुफा को हासिल हुआ वो होता रहेगा वो सय मोवइया हर खलीस हकीयत वजह केफालत वगैरह से महज पाक वो साफ है कास वाद तहरीर वो तामिल वसीके हाजा किसी किसीम के खालीस हकियत वो वहज केफालत वगैरह जहुर में आवे तो इसकी पूरी जवावदेही के मजमुसर खलस सफीक वो वार केफालत अख्तीयार खरीदारा मौसुफा को हक हासिल होगा के कुल जरसम्मन मय खेसारा वो सुद वय रजाय नालीस जात के जायदाद से मनकुला वो गैर मनकुला नामी वो बेनामी से मनमोकिरान के वसमुल मोनासिव वसुल कर लेवेंगे इसमें किसी किसीम का उजुर मामोकिरान को नहीं होगा इस वास्ते यह वसीका केवाला वय ला कलामी ववसुल तमाम वो कमाल जरसम्मन के लिख दिया के वक्त पर काम आवे फक्त।

तहरीर तारीख-18 माह सितम्बर सन् 1954 ई0

कातीब वसीके हाजा जगदीस नारायण प्रसाद, साकिन महल्ला-कदमकुआँ, मीन महलात सहर पटना वय करार मोकीरान के वा खास

सही सिद्धेश्वर सिंह वय लिखा सो सही है वा खास -18.09.1954 ई0

सही रामेश्वर सिंह वय लिखा सो सही है वा खास -18.09.1954 ई0

सही दिनेश्वर सिंह वय लिखा सो सही है वा खास -18.09.1954 ई0

सही भुनेश्वर सिंह वय लिखा सो सही है वा खास -18.09.1954 ई0

सही मोस्मात जोरा कुअर व मो0 प्यारी कुअर वय लिखा सो सही है मजमुन पढ़वा कर सुन समझ लिया वा खास

सिद्धेश्वर सिंह मोकीरा ने निशानी मेरे सामने बनायी वा खास-18.09. 1954 ई0

ग. राम भजन सिंह साकीन मीठापुर थाना कोतवाली पटना

ग. सीरी रघु प्रसाद साकीन मीठापुर थाना कोतवाली पटना वा खास

ग. वेंगु प्रसाद साकीन विहटा प्रगना अन्धा जिला गया वा खास-18.09. 1954 ई0